13 2/20

महावीर

Adv
13.2.20

वादी के प्रार्थना पत्र पर पत्रावली पेश हुई। वादी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि वह अपने वाद को आगे नहीं चलाना चाहता। विड्रा करना चाहता है। वादी को सुना गया। वादी की पहचान श्री मनोज कुमार एड. ने की। वादी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर आदेशित पत्रावली किया गया। वादी अपने वाद को आगे नहीं चलाना चाहता अतएव वादी का वाद खारिज किया जाता है। [illegible] [illegible] हो [illegible] [illegible]